Roll No. .....

DD–2322

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2020

HINDI

Paper Second

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के उत्तर सक्रम लिखिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) हुअ अप्रसन्न सिव सिया। बोलि हूँ पठय तुझ्झ प्रति॥
इह बरनी तुम जोग। चंद्र जोसनावान वृत्त॥
ज्यों रुकमिनि हरिदेव। प्रीति अति बढ़ै प्रेम भर॥
इह गुन हंस सरूप। नाप दुजताज भनिय चर॥
बुल्लिय सुपिता कमधज्ज-नर। ब्याहन पठ्यो सुगुरदुज॥
आवौ सुभ्रात जैचन्द सुत। कमध पुंअ व्याहन 'सुकज॥

अथवा

चाँद-सार लए मुख घटना करु, लोचन चकित चकोरे।
अमिअ धोए आँचर धनि पोछलि, दह दिसि भेल उँजारे।
जुग-जुग के विहि बूढ़ निरस उर कामिनि कोने गढ़ली।
रूप सरूप मोयँ कहइत असम्भव लोचन लागि रहली।

(ख) हम न मरैं मरिहैं संसारा
हम कूँ मिल्या जिंयाबनहारा।
अब न मरौं मरनैं मन माना, तेई मुए जिनि राम न जाना।
साकत मरै संत जन जीवै, भरि भरि राम रसाइन पीवै।
हरि मरिहैं तो हमहूँ मरिहैं, हरि न मरै हम काहे कूँ मरिहैं।
कहै कबीर मन मनहिं मिलावा, अमर भरे सुखसागर पावा।

अथवा

निर्गुन कौन देस को बासी ?
मधुकर ! हँसि समुझाय सौंह दै बूझति साँच न हाँसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी।
कैसो वरन भेस है कैसो केहि रस में अभिलासी॥
पावैगौ पुनि कियो आपनो, जो रे कहैगो गाँसी।
सुनत मौस ह्वै रह्यो ठग्यो सो सूर सबै मति नासी॥

(ग) बहु विधि खल सीतहि समुझावा। साम दाम भय भेद देखावा॥
कह रावनु सुन सुमुखि सयानी। मंदोदरी आदि सब रानी॥
तब अनुचरीं करउँ पन मोरा। एक बार बिलोकु मम ओरा॥
तन धरि ओट कहति बैदेही। सुमिरि अवधपति परम सनेही॥
सुनु दसमुख खद्योत प्रकासा। कबहुँ कि नलिनी करइ बिकासा॥
अस मन समुझु कहति जानकी। खल सुधि नहिं रघुवीर बान की॥

अथवा

नीकौ लसतु लिलार पर, टीकौ जरि ते जराइ।
छबहिं बढ़ावतु रवि मनौ, ससि-मण्डल मैं आई॥

नैक न जानी परति या, पर्‌यौ बिरह तनु छामु।
उठति दियै लौं नाँदि, हरि लियै तिहारौ नामु॥
नभ लाली, चाली निसा, चटकाती धुनि कीन।
रति पाली, आली, अनत, आए बनमालीन॥

2. भावसौंदर्य की दृष्टि से 'शशिवृत्ता विवाह खंड' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

विद्यापति के प्रकृति वर्णन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कबीरदास युग-चेतना के पुरोधा हैं।' कथन की विवेचना कीजिए।

3. "सूरदास में जितनी सहृदयता और भावुकता है, प्रायः उतनी ही चतुरता और वाग्विदग्धता भी है।" कथन की 'भ्रमरगीत सार' के संदर्भ में विवेचना कीजिए। 15

अथवा

तुलसी के समन्वयवाद पर प्रकाश डालते हुए सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास लोक-कल्याणकारी कवि थे।

अथवा

मुक्तक काव्य परम्परा में बिहारी के प्रदेय का मूल्यांकन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 20

(i) नन्ददास का काव्य
(ii) दादू का संक्षिप्त जीवन परिचय
(iii) मीरा की भक्ति-भावना
(iv) रहीम का साहित्यिक परिचय
(v) कृष्णभक्त कवि रसखान
(vi) पद्माकर की काव्यकला
(vii) वीररस के कवि भूषण
(viii) रीतिकालीन कवियों में देव का स्थान

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(i) 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन हैं ?

(ii) 'साहित्यलहरी' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(iii) बिहारी के ग्रंथ का नाम लिखिए।

(iv) 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखा गया है ?

(v) बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे ?

(vi) केशवरचित महाकाव्य का नाम लिखिए।

(vii) 'गागर में सागर' भरने की उक्ति किस कवि पर लागू होती है ?

(viii) 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा जाता है ?

(ix) 'सुजान विनोद' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(x) 'प्रेम के पीर' का गायक किस कवि को कहा जाता है ?

(xi) ब्रज एवं अवधी दोनों भाषाओं में लिखने वाले कवि का नाम लिखिए।

(xii) 'पद्मावत' कौन सी शैली में लिखी गई है ?

(xiii) 'छत्रशाल दशक' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(xiv) दादू कवि ने कौनसा पंथ चलाया ?

(xv) नंददास के गुरु कौन थे ?

(xvi) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(xvii) 'प्रेमवाटिका' किसकी रचना है ?

(xviii) 'पुष्टिमार्ग' का जहाज किसे कहा जाता है ?

(xix) संतकाव्य धारा के प्रतिनिधि कवि का नाम लिखिए।

(xx) 'रामचरितमानस' में कितने काण्ड हैं ?

(xxi) गोपिकाओं को निर्गुण भक्ति का ज्ञान किसने दिया ?

(xxii) कबीरदास की रचना का नाम लिखिए।